भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ३

पश्नपत्र :३ अनिवार्य हिन्दी भाग - १

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

उपन्यास की लोकप्रियता आज भी अक्षुण्ण है । हिन्दी साहित्य में भी उपन्यासकारों की लेखनी ने अपने उपन्यासों में समाज जीवन के यथार्थ व मानवानुभूतियों का सफल अभिव्यंजन किया है । समाज जीवन की परत-दर-परतें उद्घाटित करनेवाले बेनमून उपन्यासों से हिन्दी व हिन्दीत्तर विद्यार्थियों का परिचित होना अनिवार्य है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में उपन्यासों के प्रति अभिरूचि संवर्धित करने का प्रयास रहेगा ।

पाठ्यपुस्तक : - निर्मला -मुंशी प्रेमचंद

युनिट-१.

- मुंशी प्रेदचंद के व्यक्तित्व व कृतित्व का परिचयात्मक अध्यापन ।
- 'निर्मला' उपन्यास का औपन्यासिक तत्वों की दृष्टि से अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१६

युनिट-२.

- 'निर्मला' उपन्यास के प्रमुख तथा गौण चरित्रों का अध्यापन ।
- 'निर्मला' उपन्यास की प्रमुख समस्याओं का अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१६

युनिट-३.

- 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या का अध्यापन ।
- 'निर्मला' उपन्यास का अंत, शीर्षक और उद्देश्य का अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१६

युनिट-४. रचना :- अंक-१०

४.१. सामाजिक और व्यावसायिक पत्रों का लेखन ।
४.२. अपठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर ।

युनिट-५. व्याकरण(शब्द ज्ञान)

५.१. पर्यायवाची शब्द ज्ञान	अंक-४
५.२. विलोम शब्द ज्ञान	अंक-४
५.३. पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित)	अंक-४

नोंध :- शब्द ज्ञान

१. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना 'वासुदेवनन्दन प्रसाद' का आधार लेना होगा ।
२. (पारिभाषिक शब्दावली विश्वविद्यालय की और से निर्धारित सुची के अनुसार)

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न　　३० अंक　　३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का O वर्तुल भरिए । अंक-२०

- पारिभाषिक शब्द (विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट) ७ पूछे जायेंगे । अंक-७
- पर्याय और विलोम संबंधित ५ शब्द । अंक-५
- पाठ्य पुस्तक आधारित आठ प्रश्न । अंक-८

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का O वर्तुल भरीए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(सभी प्रश्न पाठ्यपुस्तक आधारित पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न　　४०-अंक　　समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०

- पाठ्यपुस्तक आधारित तीन प्रश्न पूछे जायेंगे ।
- सामाजिक और व्यावसायिक प्रकार के एक-एक पत्र लेखन के दो प्रश्न पूछे जायेंगे ।
- अपठित गद्यांश से प्रश्नों के उत्तर (पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे)।

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(शीर्षक, उद्देश्य, संक्षिप्त पात्र परिचय, वातावरण, भाषा-शैली संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४
(पाठ्यपुस्तक आधारित ससंदर्भ व्याख्या के दोनों प्रश्नों पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, उदेश्य, समस्याएँ संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण - डॉ. हरदेव बाहरी-लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद
२. हिन्दी रूप रचना भाग-१,२ - डॉ.जयेन्द्र त्रिवेदी-लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
३. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन - नन्ददुलारे बाजपेयी-राजकमल प्रकाशन दिल्ली
४. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा-रामदरश मिश्र

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ३

मुख्य एवम् प्रथम गौण : - हिन्दी

प्रश्नपत्र :५ - (छायावादोत्तर हिन्दी काव्य) भाग - १

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

आधुनिक हिन्दी कविता के परिवर्तनशील प्रवाहों में छायावादोत्तर कविता का विशिष्ट स्थान रहा है । प्रगतिवाद एवम् प्रयोगवादी कविताओं का शिल्प एवम् संवेदना के धरातल पर अँदाज़े बयाँ कुछ-और ही है । हिन्दी साहित्य की काव्यधारा में इस नये प्रवाह की कविताओं और कवियों की लाक्षणिकताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना आवश्यक हैं । एतएव् छात्रगण इस पाठयक्रम से प्रगतिवाद, प्रयोगवाद जैसी नई काव्यधाराओं से परिचित होकर हिन्दी काव्य की श्रीवृध्धि से परिचित होंगे ।

पाठयपुस्तक : छायावादोत्तर हिन्दी कविता - संपादक - डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन - इलाहाबाद ।

युनिट - १ पाठयक्रम में निर्धारित तीनों सर्जकों का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व विषयक विस्तृत परिचय । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - २ दिनकर की निम्नलिखित कविताओं का संवेदना एवम् शिल्प के आधार पर समीक्षात्मक अध्यापन ।- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) हिमालय (२) अतल - किरीट (३) कवि की मृत्यु
(४) समर शेष हैं (५) परशुराम की प्रतिज्ञा

युनिट - ३ हरिवंशराय बच्चन की निम्नलिखित कविताओं का संवेदना एवम् शिल्प के आधार पर समीक्षात्मक अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) इस पार, उस पार । (२) आत्म - परिचय ।
(३) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है । (४) अंधेरे का दीपक ।
(५) जो बीत गई सो बात गई ।

युनिट - ४ अज्ञेय की निम्नलिखित कविताओं का संवेदना एवम् शिल्प के आधार पर समीक्षात्मक अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) आज थका हिय हारिल मेरा (२) नदी के द्वीप
(३) बावरा अहेरी (४) साम्राज्ञी का नैवेध दान
(५) मेरे देश की आँखे

युनिट - ५ उक्त तीनों सर्जको की निर्धारित रचनाओं के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणी हेतु अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न　　३० अंक　　३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए । अंक-२०
(प्रत्येक युनिट से सप्रमाण २० प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-२ सूची - I को सूची - II के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०

Section-B

४-प्रश्न　　४०-अंक　　समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए ।(प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
(प्रत्येक युनिट में पठित रचनाए व रचनाकारों से संबंधित प्रश्न रहेंगे ।)

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(पाँचो युनिट से काव्य भावार्थ, केन्द्रीय विचार, विशेषताएँ, कलापक्ष संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४
(पठित कविताओं से ससंदर्भ व्याख्या हेतु काव्यांश पूछा जायेगा ।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(पठित कविताओं के आधार पर काव्य सौष्ठव - संवेदना व शिल्प संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :

(१) नयी कविता की मुक्तधारा - विद्यानिवास मिश्र-राधाकृष्ण प्रकाशन-दिल्ली ।
(२) नई कविता - डॉ.देवराज - वाणी प्रकाशन- दिल्ली ।
(३) कविता के नये प्रतिमान : नामवरसिंह - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली ।
(४) समकालीन कविता एक विश्लेषण : डॉ. अशोकसिंह-लोकभारती प्रकाशन - दिल्ली ।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ३

मुख्य एवम् प्रथम गौण : - हिन्दी

प्रश्नपत्र : ६ (आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य) भाग - १

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

भारतीय साहित्य में नाट्य साहित्य की प्राचीन परम्परा प्राप्त होती है । पंचम वेद के रूप में स्थान प्राप्त करनेवाला नाटक साहित्य स्वरूप हिन्दी साहित्य में नई विभावनाओं को कायम कर सका है । शिल्प एवम् कथ्य के परिप्रेक्ष्य में रंगमंच की नई दिशाओं का उद्घाटन करनेवाले इस साहित्य स्वरूप से हिन्दी के छात्रगण को अवगत करना आवश्यक हैं ।

पाठयपुस्तक : 'कोणार्क' - जगदीशचन्द्र माथुर
प्रकाशन - लोकभारती प्रकाशन - इलाहाबाद ।

युनिट-१. नाटक विधा का स्वरूपगत अध्यापन, एवम् जगदीश चन्द्र माथुर के व्यक्तित्व तथा कृतित्व का परिचयात्मक अध्यापन ।- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-२. 'कोणार्क' नाटक का अध्यापन : - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४
२.१. 'कोणार्क' नाटक की कथावस्तु का सविस्तृत अध्यापन ।
२.२. 'कोणार्क' नाटक का तात्विक अध्यापन ।

युनिट-३. 'कोणार्क' नाटक के प्रमुख एवम् गौण चरित्रों का अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - ४ 'कोणार्क' नाटक का समस्यामूलक अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे अंक-१४
४.१. 'कोणार्क' नाटक की रंगमंचीय क्षमता का अध्यापन ।
४.२. 'कोणार्क' नाटक का शीर्षक एवम् संवाद योजना का अध्यापन ।

युनिट-५. 'कोणार्क' नाटक से ससंदर्भ व्याख्या का अध्यापन ।- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक १४

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पशनपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न ३० अंक ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का O वर्तुल भरिए । अंक-२०
(प्रत्येक युनिट से सप्रमाण २० प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-२ सूची - I को सूची - II के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का O वर्तुल भरीए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(रचना, रचनाकार, पात्र-संवाद, घटना-घटना स्थल जैसे मुद्दों पर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न ४०-अंक समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए ।(प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
(नाटक के अंको के आधार पर, पात्रों की चारित्रिक विशेषता आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।)

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(रचनाकार व रचना आधारित कारण दर्शक, घटना संबंधी, समस्यामूलक प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४
(पठित रचना के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या हेतु संदर्भ पूछे जायेंगे ।)

पश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(नाटक स्वरूप, रचना का तात्विक मूल्यांकन, चरित्र-चित्रण, समस्या वर्णन आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. हिन्दी के नाटकों में प्रयोगतत्व - पाण्डेय विनयभूषण-नेशनल पुस्तक ाण्डार नई दिल्ली ।
२. हिन्दी नाटक : आज-कल-डॉ.जयदेव तनेजा-तक्षशीला प्रकाशन नई दिल्ली ।
३. नाटककार : जगदीशचंद्र माथुर-गोविन्द चातक-राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली ।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ३

मुख्य विषय : - हिन्दी

प्रश्नपत्र :७ - हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल एवम् निर्गुण शाखा) भाग - १

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

साहित्येतिहास का अनुशीलन विश्व के परिपूरक वितरण में भारतीय राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता को राष्ट्र भारती की विकास-यात्रा के माध्यम से परिभाषित करने में बड़ा उपादेय सिद्ध होता है । हिन्दी साहित्य की विकासोन्मुखी यात्रा के उत्थान बिन्दु से अधुनातन सर्जन प्रक्रिया से सम्पूर्ण भारतवर्ष गौरवान्वित हैं । हिन्दी साहित्य के उदभव-व-विकास से विद्यार्थियों कों अवगत कराते हुए भारतीय संस्कृति की गरिमा की पहचान प्राप्त कराने का मौलिक उपक्रम है ।

पाठ्यवस्तु का विवरण :

युनिट : १ साहित्येतिहास संकल्पना । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

१.१. हिन्दी साहित्य इतिहास संकल्पना ।
१.२. साहित्यिक इतिहास स्वरूप ।
१.३. साहित्यिक इतिहास परम्परा - परिचयात्मक अध्यापन ।

युनिट : २ आदिकाल । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

२.१. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
२.२. आदिकाल सीमांकन एवम् नामकरण ।
२.३. आदिकाल की परिस्थितियाँ
२.४. आदिकाल की प्रमुख विशेषताएँ (प्रवृतियाँ)

युनिट - ३ आदिकाल के प्रमुख सर्जक एवम् प्रमुख ग्रंथ । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) चंदबरदाई - पृथ्वीराजरासो
(२) विद्यापति - पदावली
(३) अमीर खुसरो - मुकरियाँ

युनिट : ४ भक्तिकाल । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

४.१. भक्तिकाल का सीमांकन एवम् नामकरण ।
४.२. भक्तिकाल का वैज्ञानिक विभाजन ।
४.३. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ ।
४.४. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ एवम् विशेषताएँ

युनिट : ५ भक्तिकाल की निर्गुणमार्गी काव्यधारा : - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

५.१. निर्गुणमार्गी काव्यधारा की संकल्पना एवम् स्वरूप ।
५.२ ज्ञानमार्गी काव्यधारा की संकल्पना एवम् विशेषताएँ ।
५.३. ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवम् कबीर का व्यक्तित्व-कृतित्व ।
५.४. प्रेममार्गी काव्यधारा की संकल्पना एवम् विशेषताएँ एवम् जायसी का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व ।

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न ३० अंक ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए । अंक-२०
(प्रत्येक युनिट से सप्रमाण २० प्रश्न पूछे जायेंगे)

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरीए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(युग, नामकरण, कालविभाजन तथा जायसी एवम् कबीर के व्यक्तित्व-कृतित्व संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न ४०-अंक समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
(साहित्यिक परम्परा, आदिकाल व भक्तिकाल का परिवेश, प्रवृतियाँ, रासो काव्य, पदावली, मुकरियाँ तथा सर्जकों के व्यक्तित्व-कृतित्व संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(आदिकाल, निर्गुणमार्गी काव्यधारा की ज्ञानमार्गी व प्रेममार्गी शाखा की प्रमुख विशेषताएँ, सर्जक परिचय तथा रचना संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो समीक्षात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-०४
(भक्तिकाल का वैज्ञानिक विभाजन, समय एवम परिस्थितियाँ संबंधित टिप्पणियाँ पूछी जायेगी ।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(रासो साहित्य, ज्ञागमार्गी काव्यधारा, प्रेममार्गी काव्यधारा के प्रमुख सर्जक व इनके योगदान के बारे में आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - हिन्दी साहित्य का इतिहास-कमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
२. डॉ.नगेन्द्र और डॉ.हरदयाल : हिन्दी साहित्य का इतिहास - नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली ।
३. डॉ.विजयपालसिंह : हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ ।
४. डॉ.बच्चनसिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - राधाकृष्ण प्रकाशन ।
५. डॉ.गणपतिचन्द्र : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - लोकभारती प्रकाशन - इलाहाबाद ।
६. डॉ.शिवकुमार शर्मा : हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ - अशोक प्रकाशन - नई दिल्ली ।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ३

पश्नपत्र :३ द्वितीय गौण (सहायक हिन्दी) भाग-१

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :

हिन्दी साहित्य का कहानी संसार अपने आप में अनूठा व विशिष्ट रहा है । कहानीकारों की लेखनी ने समाज जीवन की कई दिशाओं का अपनी कहानियों में उद्‌घाटन किया है । मानव मन के राग-द्वेष, कहानियों के निरूपण का वैशिष्ट रहा है । सहायक हिन्दी पढ़नेवाले छात्रों को हिन्दी कहानियों की विशेषताओं से अवगत कराने का प्रयास है ।

पाठयपुस्तक : आठ अच्छी कहानियाँ
संपादक - मार्कण्डेय - प्रकाशन - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

युनिट-१. 'पंचपरमेश्वर' - प्रेमचंद, 'एक गौ' - जैनेन्द्रकुमार :
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-२. 'शरणदाता' - अज्ञेय, 'समय' - यशपाल : - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-३. उपर्युक्त कहानियों से संबंधित ससंदर्भ व्याख्या हेतु अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-४. रचना :
४.१. कहानी लेखन का कक्षा अध्यापन ।
४.२. विचार विस्तार का कक्षा अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-५. व्याकरण : अंक-१४
५.१. कहावते और मुहावरे का कक्षा अध्यापन । (विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट पाठ्‌यक्रम के आधार पर कहावतें और मुहावरों का अर्थ पूछा जायेगा ।)
५.२. शब्दज्ञान :- पर्यायशब्द, विलोम शब्द । ('आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना लेखन' - वासुदेवनन्द प्रसाद का आधार लिया जाये ।)

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन १० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार) १० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा १० अंक

पश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न   ३० अंक   ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए । अंक-२०

- कहावतें और मुहावरे (केवल अर्थ लिखने है) अंक-६
  (तीन कहावतें और तीन मुहावरें पूछे जायेंगे ।)
- तीन पर्याय शब्द व तीन विलोम शब्द पूछे जायेंगे । अंक-६
- आठ प्रश्न पाठयपुस्तक आधारित पूछे जायेंगे । अंक-८

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(रचना-रचनाकार, संवाद-पात्र संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न   ४०-अंक   समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
-पाठयपुस्तक संबंधित चार प्रश्न पूछे जायेंगे ।
-एक प्रश्न विचार-विस्तार आधारित पूछा जायेगा ।
-एक प्रश्न कहानी लेखन आधारित पूछा जायेगा ।

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
- सभी प्रश्न कहानी आधारित पूछे जायेंगे ।

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, उदेश्य, समस्याएँ आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. नागर कथाएँ - डॉ.बालेन्दुशेखर तिवारी - अमन प्रकाशन - कानपुर ।
२. प्रतिनिधि कहानियाँ - मोहन राकेश - जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।
३. प्रतिनिधि कहानियाँ - इश्वरचंद्र - राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मिरी गेट दिल्ली ।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.
बी.ए. सेमेस्टर - ४
पश्नपत्र :४ अनिवार्य हिन्दी भाग - २

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

उपन्यास की लोकप्रियता आज भी अक्षुण्ण है । हिन्दी साहित्य में भी उपन्यासकारों की लेखनी ने अपने उपन्यासों में समाज जीवन के यथार्थ व मानवानुभूतियों का सफल अभिव्यंजन किया है । समाज जीवन की परत-दर-परतें उद्‌घाटित करनेवाले बेनमून उपन्यासों से हिन्दी व हिन्दीत्तर विद्यार्थियों का परिचित होना अनिवार्य है । प्रस्तुत पाठ्‌यक्रम विद्यार्थियों में उपन्यासों के प्रति अभिरूचि संवर्धित करने का प्रयास है ।

पाठ्‌यवस्तु :-

- सूरज का साँतवा घोड़ा - धर्मवीर भारती
  - भारतीय ज्ञानपीठ-नई दिल्ली

युनिट-१. धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व तथा 'सूरज का साँतवा घोड़ा' उपन्यास के कथानक का अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१६

युनिट-२. 'सूरज का साँतवा घोड़ा' उपन्यास के प्रमुख चरित्रों एवम् समस्याओं का अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१६

युनिट-३. 'सूरज का साँतवा घोड़ा' उपन्यास के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या तथा 'सूरज का साँतवा घोड़ा' उपन्यास की भाषा शैली, शीर्षक और उदेश्य का अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक १६

युनिट-४. रचना :- अंक-१०

४.१. लिपिक पद, शिक्षक पद और कार्यालय आदेश के हेतु विविध आवेदन पत्रों के लेखन का अध्यापन । अंक-५

४.२. गुजराती से हिन्दी में निर्दिष्ट गद्यांश का अनुवाद लेखन । अंक-५

युनिट-५. व्याकरण :-

५.१. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विशेषण के आधारपर वाक्यों का शुद्धिकरण । अंक-६

५.२. लिंग, वचन और काल संबंधी अशुद्धियों का शोधन । अंक-६

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१२

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न ३० अंक ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए । अंक-२०

- लिंग-वचन-काल संबंधित प्रश्न ७ पूछे जायेंगे । अंक-७
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विशेषण संबंधित प्रश्न-५ पूछे जायेंगे । अंक-५
- पाठ्य पुस्तक आधारित आठ प्रश्न पूछे जायेंगे । अंक-८

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरीए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(सभी प्रश्न पाठ्यपुस्तक आधारित पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न ४०-अंक समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०

- पाठ्यपुस्तक आधारित तीन प्रश्न पूछे जायेंगे ।
- आवेदन-पत्र और कार्यालय आदेश के एक-एक पत्र लेखन के दो प्रश्न पूछे जायेंगे ।
- गुजराती से हिन्दी में अनुवाद का एक प्रश्न पूछा जायेगा ।

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(शीर्षक, उद्देश्य, संक्षिप्त पात्र परिचय, वातावरण, भाषा-शैली संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४
(पाठ्यपुस्तक आधारित ससंदर्भ व्याख्या के दोनों प्रश्नों पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, उदेश्य, समस्याएँ संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. सुरज का साँतवा घोड़ा - शोध परख अनुशीलन - डॉ.भगवत शरण अग्रवाल - पाश्व पब्लिकेशन - अहमदाबाद ।
२. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण - डॉ.हरदेव बाहरी - लोकभारती प्रकाशन - इलाहाबाद ।
३. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा - डॉ.रामदरश मिश्र - राजकमल प्रकाशन – दिल्ली ।
४. हिन्दी रूपरचना भाग – १ और २ – जयेन्द्र त्रिवेदी - लोकभारती प्रकाशन - इलाहाबाद ।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ४

मुख्य एवम् प्रथम गौण : - हिन्दी

प्रश्नपत्र :८ - (छायावादोत्तर हिन्दी काव्य) भाग - २

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

आधुनिक हिन्दी कविता के परिवर्तनशील प्रवाहों में छायावादोत्तर कविता का विशिष्ट स्थान रहा है । प्रगतिवाद एवम् प्रयोगवादी कविताओं का शिल्प एवम् संवेदना के धरातल पर अँदाज़े बयाँ कुछ-और ही है । हिन्दी साहित्य की काव्यधारा में इस नये प्रवाह की कविताओं और कवियों की लाक्षणिकताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना आवश्यक हैं । एतएव् छात्रगण इस पाठयक्रम से प्रगतिवाद, प्रयोगवाद जैसी नई काव्यधाराओं से परिचित होकर हिन्दी काव्य की श्रीवृध्धि से परिचित हों ।

पाठयपुस्तक :- छायावादोत्तर हिन्दी कविता
सं- डॉ. आलोक गुप्त - जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।

युनिट - १ पाठयक्रम में निर्धारित तीनों सर्जको का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व विषयक विस्तृत परिचय । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - २ भवानी प्रसाद मिश्र की निम्नलिखित कविताओं का संवेदना एवम् शिल्प के आधार पर समीक्षात्मक अध्यापन ।- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) नई इबारत (२) सन्नाटा (३) गीत-फरोश
(४) मनोरथ (५) चार कौए उर्फ चार हौए

युनिट - ३ सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की निम्नलिखित कविताओं का संवेदना एवम् शिल्प के आधार पर समीक्षात्मक अध्यापन ।- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) तुम्हारे साथ रहकर (२) मेरे भीतर की कोयल
(३) पत्नी की मृत्यु पर (४) लीक पर वे चले
(५) कुआनों नदी-खतरे का निशान

युनिट - ४ जगन्नाथ पंडित **'धूमिल'** की निम्नलिखित कविताओं का संवेदना एवम् शिल्प के आधार पर समीक्षात्मक अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(१) बीस साल बाद (२) अकाल दर्शन
(३) शहर में सूर्यास्त (४) कवि १९७०
(५) हत्यारी सम्भावनाओं के नीचे

युनिट - ५ उक्त तीनों सर्जकों की निर्धारित रचनाओं के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या हेतु अध्यापन । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न ३० अंक ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का O वर्तुल भरिए। अंक-२०
(प्रत्येक युनिट से सप्रमाण २० प्रश्न पूछे जायेंगे)
(पठित रचनाएँ और रचनाकारों के आधार पर प्रश्न पूछे जायेंगे।)

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का O वर्तुल भरीए।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे।) अंक-१०
(काव्य पंक्ति, रचना, रचना-विशेषताएँ इत्यादि आधार पर प्रश्न संचरित किये जा सकेंगे।)

Section-B

४-प्रश्न ४०-अंक समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए। (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
(पठित कविताओं से संबंधित प्रश्न रहेंगे।)

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए। (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(काव्य भावार्थ, केन्द्रीय विचार, विशेषताएँ, कलापक्ष संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए। अंक-०४
(पठित कविताओं के संदर्भ में यहाँ ससंदर्भ व्याख्या संचरित कीजिए।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए। अंक-१०
(सर्जकों की पठित कविताओं के आधार पर काव्य सौष्ठव, संवेदना व शिल्प संबंधित प्रश्न अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. नयी कविता की मुक्तधारा - विद्यानिवासमिश्र - राधाकृष्ण दिल्ली।
२. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का रचना कर्म - कृष्णदत्त पालीवाल, पाली दिल्ली।
३. कविता के नये प्रतिमान - डॉ.नामवरसिंह - राजकमल - दिल्ली।
४. समकालीन कविता एक विश्लेषण, डॉ.अशोकसिंह लोकभारती - दिल्ली।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ४

मुख्य एवम् प्रथम गौण : - हिन्दी

प्रश्नपत्र : ९ (आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य) भाग - २

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

नाटक साहित्य की पुरातन परम्परा के साथ साथ आधुनिक दृश्य साहित्य स्वरूप में एकांकी साहित्य का भी हिन्दी नाट्य साहित्य में विकास हुआ है । एकांकी साहित्य का अपना अनूठा स्वतंत्र अस्तित्व है । रंगमंचीय इस साहित्य स्वरूप की विशेषताएँ और हिन्दी साहित्य के एकांकियों के शिल्प एवम् कथ्य से हिन्दी विषय के विद्यार्थियों को अवगत कराना आवश्यक हैं ।

पाठयपुस्तक :- प्रतिनिधि एकांकी

संकलन कर्ता - उपेन्द्रनाथ अश्क - निलाम प्रकाशन गृह, इलाहाबाद ।

- एकांकियों की सूची :-

(१) राजरानी सीता - डॉ.रामकुमार वर्मा

(२) बीमार का इलाज - श्री उदयशंकर भट्ट

(३) शिवाजी का सच्चा स्वरूप - सेठ गोविन्ददास

(४) स्ट्राइक - भुवनेश्वर प्रसाद

(५) रीढ़ की हड्डी - जगदीशचन्द्र माथुर

(६) सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अश्क

युनिट-१. एकांकी साहित्य का स्वरूपगत परिचय एवम् एकांकीकारों का परिचय ।

१.१. एकांकी विधा के तत्वों का अध्यापन ।

१.२. निर्धारित सर्जकों के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व का अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-२. 'राजरानी सीता' तथा 'शिवाजी का सच्चा स्वरूप' एकांकियों का अध्यापन ।

२.१. 'राजरानी सीता' एकांकी का स्वरूप गत समीक्षात्मक अध्यापन ।

२.२. 'शिवाजी का सच्चा स्वरूप' एकांकी का स्वरूप गत समीक्षात्मक अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-३. 'बीमार का इलाज' तथा 'स्ट्राइक' एकांकियों का अध्यापन ।

३.१. 'बीमार का इलाज' एकांकी का स्वरूप गत समीक्षात्मक अध्यापन ।

३.२. 'स्ट्राईक' एकांकी का स्वरूप गत समीक्षात्मक अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-४. 'रीढ़ की हड्डी' तथा 'सूखी डाली' एकांकियों का अध्यापन ।

४.१. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का स्वरूप गत समीक्षात्मक अध्यापन ।

४.२. 'सूखी डाली' एकांकी का स्वरूप गत समीक्षात्मक अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-५. उक्त छः एकांकियों के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या हेतु अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न   ३० अंक   ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए । अंक-२०
(प्रत्येक युनिट से सप्रमाण २० प्रश्न पूछे जायेंगे)
(रचना, रचनाकार, एकांकी स्वरूप आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(रचना, रचनाकार, पात्र-संवाद, एकांकी-एकांकी प्रकार, घटना - घटना स्थल जैसे मुद्दों पर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न   ४०-अंक   समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
(प्रत्येक एकांकी से एक-एक प्रश्न पूछा जायेगा ।)

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के १०० (एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(एकांकी के संदर्भ में :- समस्या, चारित्रिक विशेषता, शीर्षक एवम् महत्व संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४
(पठित एकांकियों से ससंदर्भ व्याख्या पूछी जायेगी ।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(पठित एकांकियों का तात्विक मूल्यांकन, पात्र निरूपण, समस्या वर्णन, प्रतिपाद्य संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी एकांकी-सिद्धनाथ कुमार-राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
२. एकांकी और एकांकीकार-रामचरण महेन्द्र-वाणी प्रकाशन दिल्ली

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ४

मुख्य विषय : - हिन्दी

प्रश्नपत्र : १० - हिन्दी साहित्य का इतिहास - भाग - २

(सगुण काव्यधारा एवम् रीतिकालीन काव्यधारा)

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

साहित्येतिहास का अनुशीलन विश्व के परिपूरक वितरण में भारतीय राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता का राष्ट्र भारती की विकास-यात्रा के माध्यम से परिभाषित करने में बड़ा उपादेय सिद्ध होता है । हिन्दी साहित्य की विकासोन्मुखी यात्रा के उत्थान बिन्दु से अधुनातन सर्जन प्रक्रिया से सम्पूर्ण भारतवर्ष गौरवान्वित हैं । हिन्दी साहित्य के उदभव-व-विकास से विद्यार्थियों कों अवगत कराते हुए भारतीय संस्कृति की गरिमा की पहचान प्राप्त कराने का मौलिक उपक्रम है ।

<u>पाठयवस्तु का विवरण :-</u>

युनिट - १. सगुण काव्यधारा :

१.१. सगुण काव्यधारा का सीमांकन, नामकरण, उद्भव-विकास ।

१.२. सगुण काव्यधारा का प्रमुख विभाजन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - २. राममार्गी सगुण काव्यधारा :

२.१. राममार्गी सगुण काव्यधारा की विशेषताएँ।

२.२. राममार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि तुलसीदास का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व । - कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - ३. कृष्ण मार्गी सगुण काव्यधारा :

३.१. कृष्णमार्गी सगुण काव्यधारा की विशेषताएँ।

३.१. कृष्णमार्गी काव्यधारा के प्रमुख संप्रदायों का परिचयात्मक अध्यापन ।

३.२. सूरदास के व्यक्तित्व-कृतित्व व काव्य वैभव का अध्यापन ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - ४. रीतिकाव्य :

४.१. रीतिकाव्य : सीमांकन एवम् नामकरण ।

४.२. रीतिकाव्य : परिस्थितियाँ।

४.३. रीतिकाव्य : प्रमुख विशेषताएँ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट - ५. रीतिकाव्य की प्रमुख धाराएँ :

५.१. रीतिकाव्य : विभाजन ।

५.२. रीतिबद्ध कवि : केशवदास - देव ।

५.३. रीतिसिध्ध कवि : बिहारी ।

५.४. रीति मुक्त कवि : घनानन्द ।

- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पश्नपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न　　३० अंक　　३० मिनट

प्रश्न-१.　निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए ।　अंक-२०
(प्रत्येक युनिट से सप्रमाण २० प्रश्न पूछे जायेंगे)

प्रश्न-२　सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।)　अंक-१०
(रचना - रचनाकार, युग - विशेषताएँ - नामकरण, कालविभाजन संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न　　४०-अंक　　समय :९० मिनट

प्रश्न-१.　किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)　अंक-२०
(कवि - व्यक्तित्व, कृतित्व, भक्तिकाल-रीतिकाल परिवेश, विशेषताएँ संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-२.　किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए ।　(प्रत्येक प्रश्न के दो अंक)　अंक-०६
(राममार्गी, कृष्णमार्गी काव्यधारा एवम् रीतिकाल से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३.　किन्हीं दो समीक्षात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए ।　अंक-०४
(रीतिकाल नामकरण, विभाजन, कृष्णमार्गी सम्प्रदाय, मीराबाई संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-४.　किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए ।　अंक-१०
(प्रमुख छः कवि : सूरदास, बिहारी, केशवदास, तुलसीदास, मीराबाई और घनानन्द के योगदान संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - हिन्दी साहित्य का इतिहास-कमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
२. डॉ.नगेन्द्र और डॉ.हरदयाल : हिन्दी साहित्य का इतिहास - नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली ।
३. डॉ.विजयपालसिंह : हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ ।
४. डॉ.बच्चनसिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - राधाकृष्ण प्रकाशन ।
५. डॉ.गणपतिचन्द्र : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - लोकभारती प्रकाशन - इलाहाबाद ।
६. डॉ.शिवकुमार शर्मा : हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ - अशोक प्रकाशन - नई दिल्ली ।

भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर.

बी.ए. सेमेस्टर - ४

पश्नपत्र :४ द्वितीय गौण (सहायक हिन्दी) भाग-२

लिखित परीक्षा ७० अंक - समय - दो घण्टे + सतत सर्वग्राही मूल्यांकन : ३० अंक = १०० अंक

प्रतिपाद्य :-

हिन्दी साहित्य का कहानी संसार अपने आप में अनूठा व विशिष्ट रहा है । कहानीकारों की लेखनी ने समाज जीवन की कई दिशाओं का अपनी कहानियों में उद्घाटन किया है । मानव मन के राग-द्वेष, कहानियों का वैशिष्ट रहा है । सहायक हिन्दी पढ़नेवाले छात्रों को हिन्दी कहानियों की विशेषताओं से अवगत कराने का प्रयास है।

पाठयपुस्तक : आठ अच्छी कहानियाँ
- संपादक - मार्कण्डेय - प्रकाशन - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

युनिट-१. 'मवाली' - मोहन राकेश, 'गर्मियों के दिन' - कमलेश्वर ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-२. 'अकेली' - मन्नू भण्डारी, 'दाना भूसा' - मार्कण्डेय ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-३. उपर्युक्त कहानियों से संबंधित ससंदर्भ व्याख्या हेतु अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-४. रचना :
४.१. पारिवारिक पत्र लेखन का कक्षा अध्यापन ।
४.२. सार लेखन का कक्षा अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

युनिट-५. व्याकरण :
(अ) द्वन्द, द्विगु, बहुव्रीहि और मध्यमपदलोपी-समासों का अध्यापन ।
(इन समासों के उपभेदों की चर्चा नही की जायेगी ।)
(ब) अनेकार्थी और शब्दसमूह के लिए एक शब्द का अध्यापन ।
- कक्षा अध्यापन ९ घण्टे - अंक-१४

(उपरोक्त दोनों मुद्दो के लिए 'आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना '- डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद का आधार लेना होगा ।)

सतत सर्वग्राही मूल्यांकन :-

(१) स्वाध्याय (एसाईन्मेन्ट) लेखन	१० अंक
(२) कक्षा प्रस्तुति (सेमिनार)	१० अंक
(३) आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पशनपत्र का प्रारूप

Section - A

३० प्रश्न ३० अंक ३० मिनट

प्रश्न-१. निम्नांकित बहुविकल्पीय २० प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए । अंक-२०
- अनेकार्थी और शब्दसमूह के लिए एक शब्द के (तीन-तीन) छः प्रश्न पूछे जायेंगे । अंक-६
- पठित सभी समासों के आधारित छः प्रश्न पूछे जायेंगे । अंक-६
- पाठयपुस्तक आधारित आठ प्रश्न पूछे जायेंगे । अंक-८

प्रश्न-२ सूची - **I** को सूची - **II** के सही उत्तर को सुमेलित करनेवाले विकल्प चुनकर उत्तरपत्र में A,B,C,D के सामने का ○ वर्तुल भरिए ।
(प्रश्न-२१ से ३० प्रत्येक युनिट से सप्रमाण १० प्रश्न पूछे जायेंगे ।) अंक-१०
(रचना-रचनाकार, संवाद, पात्र, विशेषता संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

Section-B

४-प्रश्न ४०-अंक समय :९० मिनट

प्रश्न-१. किन्हीं छः लघुउत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के २०० (दो सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक) अंक-२०
- पाठ्यपुस्तक आधारित चार प्रश्न पूछे जायेंगे ।
- एक पारिवारिक पत्र लेखन का प्रश्न पूछा जायेंगा ।
- एक सार लेखन का प्रश्न पूछा जायेंगा ।

प्रश्न-२. किन्हीं पाँच अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के १००(एक सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । (प्रत्येक प्रश्न के दो अंक) अंक-०६
(प्रत्येक प्रश्न पाठ्यपुस्तक आधारित पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-३. किन्हीं दो ससंदर्भ में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या २०० (दो सौ) शब्दों में कीजिए । अंक-०४
(दोनों प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या के पूछे जायेंगे ।)

प्रश्न-४. किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का ५०० (पाँच सौ) शब्दों में उत्तर लिखिए । अंक-१०
(कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, उदेश्य, समस्याएँ संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे ।)

संदर्भ ग्रंथ :-

१. प्रतिनिधि कहानियाँ - मोहन राकेश - जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।
२. श्रेष्ठ कहानियाँ - डॉ.विजयपालसिंह - जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।
३. बीसवी सदी सौ कहानियाँ - सुरेन्द्र तिवारी - नमन प्रकाशन नई दिल्ली ।
४. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद - नई दिल्ली ।